>

Title: Need to take measures to make Hiuen Tsang Museum at Nalanda, Bihar a popular tourism destination.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) ः

बिहार राज्य के नालंदा जिले के नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर एवं जादूघर (म्यूजियम) के बगल में ह्वेन सांग म्यूजियम है । चीनी यात्री ह्वेन सांग नालंदा विश्वविद्यालय में 627 में आए थे और सन 631 तक नालंदा में रहे थे । वह एक बहुत ही इंटेलैक्चुअल परिवार के थे । ह्वेन सांग ने बुद्ध दर्शन पर बहुत ही अच्छा काम किया और नालंदा विश्वविद्यालय में रहकर बुद्ध दर्शन की पढ़ाई की और वहीं पर आचार्य हो गए । ह्वेन सांग की विद्वता से प्रभावित होकर और उनके बुद्ध दर्शन के सिद्धांतों को पुनर्जीवित करने के लिए भारत सरकार ने नालंदा में ह्वेन सांग पर एक म्यूजियम बनाया जो कि भारत-चीन मैत्री को प्रगाढ़ कर रहा है । लेकिन इस म्यूजियम का प्रचार-प्रसार उतना नहीं है, जितना होना चाहिए । इसलिए इस म्यूजियम का प्रचार प्रसार इस तरीके से हो कि लोग पर्यटन के साथ-साथ धार्मिक ज्ञान भी प्राप्त कर सकें और भारत-चीन मैत्री प्रगाढ़ होती रहे । सरकार को इस दिशा में काम करना चाहिए कि चीनी पर्यटक इस ओर आकर्षित हो और यहां बौद्ध धर्म दर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकें और इसकी वजह से भारत-चीन मैत्री और प्रगाढ़ हो ।

मैं केन्द्र सरकार से इस सदन के माध्यम से यह मांग करता हूं कि वो इस दिशा में पहल करे एवं भारत-चीन मैत्री को और प्रगाढ़ करने के लिए अति आवश्यक सार्थक कदम उठाए ।